ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

5-11-2022

ब्राह्मण जीवन में कोई भी बात मुश्किल नहीं है, लेकिन अपने संस्कार, अपनी कमजोरियां मुश्किल के रूप में देखने में आती हैं। इसके लिए अपने को शमा पर इतने तक मिटाना है जो कहते हो मेरे संस्कार यह मेरापन भी मिट जाये। नेचर भी बदल जाये। जब हरेक की नेचर बदलेगी तब ब्रह्मा बाप समान अव्यक्ति फीचर्स बनेंगे।

Now transform the old nature and old sanskars.

Nothing in Brahmin life is difficult, but your own sanskars and weaknesses are visible in the form of something difficult. For this, you have to sacrifice yourself to the Flame to such an extent that even the consciousness of "mine", which you have for your sanskars, should finish. Even your nature should change. When everyone's nature changes, your features will become avyakt like those of Father Brahma.